यह बानगी है रफ्तार से आगे बढ़ते मेरठ की। यहां के जिंदादिल लोगों की। अपनी प्रतिभा, क्षमता और दक्षता के दम पर देश-दुनिया तक पहुंचे मेहनतकश उद्यमी-युवाओं की। 2024 जाने को है और 2025 का आगमन होने वाला है, ऐसे में मेरठ महोत्सव जैसी सौगात हमको मिली है। तेजी से बढ़ते और आकार लेते मेरठ की यह महोत्सव की नींव हैं। 2024 मेरठ के लिए बेहद खास रहा, इस साल कई उपलब्धियां मेरठ के नाम रहीं। 2025 में भी मेरठ विकास की नई इबारत लिखेगा। हिन्दुस्तान सोमवार विशेष में प्रस्तुत है अपने मेरठ के सुनहरे सफर की दास्तान जो कहानी नहीं बल्कि हकीकत है।

दुनिया में नई पहचान के साथ छाया अपना मेरठ

सोमवार विशेष

मेरठ, हिन्दुस्तान टीम। प्रदेश के 75 जिलों के खास उत्पादों के साथ खेल, कला, प्रतिभा, इनोवेशन एवं सांस्कृतिक रंगों को दुनिया के कोने-कोने तक पहुंचाने जा रहे मेरठ महोत्सव के बीच मेरठ शिक्षा, खेल, उद्योग और ज्वैलरी में नई पहचान के साथ दुनिया में छाया हुआ है। स्वास्थ्य, शिक्षा, खेल, खेल सामग्री, ज्वैलरी सहित मूलभूत ढांचे में उल्लेखनीय प्रगति से मेरठ एक दशक में नई ऊंचाइयों तक पहुंचा है।

दुनिया के तेजी से बढ़ते शहरों में शुमार मेरठ में देश की पहली रैपिड रेल दस्तक दे चुकी है। देश के प्रमुख शहर एवं राज्यों को जोड़ने वाला जाममुक्त सड़क नेटवर्क मेरठ तक स्थापित हो चुका है। मेरठ से निकली प्रतिभा राजनीति, खेल, विज्ञान, उद्योग और इनोवेशन में इस शहर की प्रतिभा को चार चांद लगा रही है।

कुटीर उद्योगों से विमानों के पुर्जे निर्यात तक पहुंचा मेरठ: मेरठ ने उद्योगों में देश-दुनिया में नई पहचान कायम की है। आजादी से पहले कुटीर उद्योग के इस शहर ने पूरी दुनिया में उद्योगों में नई पहचान बनाई है। देश का पहला शॉपिंग मॉल मेरठ कैंट क्षेत्र में सेना ने खोला गया था। हिंदुस्तान लीवर का पहला कारखाना भी मेरठ में लगा था। आजादी मिली तो मेरठ की औद्योगिक यात्रा को पंख लग गए। आज मेरठ ज्वैलरी से विमानों तक के पुर्जे निर्यात करता है।

शिक्षा का बड़ा केंद्र, आठ विवि...150 निजी स्कूल

एनसीआर में शामिल मेरठ शिक्षा का बड़ा केंद्र बनकर उभरा है। शहर में आठ विवि हैं और 180 से ज्यादा निजी स्कूल। आठ सौ से अधिक प्राइमरी-जूनियर विद्यालय बच्चों के जीवन को नई दिशा रहे हैं। प्रदेश के पहले खेल विवि कुछ माह में मूर्त रूप लेने जा रहा है। तीन राज्य विवि मेरठ सहित प्रदेश के छात्रों के जीवन में शिक्षा का रंग भर रहे हैं। आजादी के बाद से 2024 तक की अपनी यात्रा में मेरठ ने इंजीनियरिंग, मेडिकल, ट्रेडिशनल-प्रोफेशनल शिक्षा सहित विभिन्न क्षेत्रों में नया मुकाम गढ़ रहा है। एक सरकारी मेडिकल कॉलेज सहित निजी क्षेत्र में डेंटल, पैरा मेडिकल, आयुर्वेद और नर्सिंग में शिक्षा पाने के अवसर मेरठ में हैं।

मास्टर प्लान 2031 की दहलीज पर अपना मेरठ

तेजी से उभरता मेरठ मास्टर प्लान 2031 की दहलीज पर है। मेरठ विकास प्राधिकरण ने योजना में मेरठ के अधिकतर गांवों को शामिल कर लिया है। नया मेरठ शहर से लेकर पांडव नगरी हस्तिनापुर तक अपनी आभा बिखरेगा। नए मास्टर प्लान में 1004 वर्ग किमी क्षेत्रफल शामिल हुआ है। प्रदेश की पहली इंटीग्रेटिड टाउनशिप भी मेरठ की नई पहचान होगी। दिल्ली रोड पर तीन सौ हेक्टेयर जमीन पर प्रस्तावित टाउनशिप में 40 हजार आवासों के साथ फैक्ट्रियां भी होंगी जो 20 हजार लोगों को रोजगार देंगी। मेडा के साथ आवास-विकास भी गंगा एक्सप्रेसवे के पास छह सौ हेक्टेयर जमीन पर टाउनशिप विकसित करने जा रहा है। यह टाउनशिप दस गांवों की जमीन अधिगृहित करते हुए उनका भाग्य बदलेगी। नए मेरठ में वेदव्यासपुरी में क्रांतिधरा पार्क, सिटी फोरेस्ट, मेरठ मंडपम और गंगानगर में पेडेस्ट्रेन फ्रेंडली स्ट्रीट भी मिलेगी। सिटी लॉजिस्टिक पार्क के साथ नया ट्रांसपोर्ट नगर भी मेरठ को नई पहचान देगा।

1950 में दो लाख 28 हजार की जनसंख्या से 18 लाख से अधिक पहुंचा शहर, एकदम बदल गई सूरत

जानिए मेरठ के उद्योग में क्या है..

खेल एवं कृषि उपकरण, चीनी मिलें, मीटेक्स प्लांट, टेक्सटाइल, ट्रांसफार्मर उद्योग, ऑटोमोबाइल पार्ट्स, कलपुर्जे, सीमेंट उद्योग, फूड एंड बेवरेज, फूड प्रोसेसिंग, स्टील इंडस्ट्री, प्रकाशन उद्योग, रबर कारोबार, कालीन, हैंडलूम, फिटनेस उपकरण, केमिकल प्लांट, सर्जिकल आइटम, दवा और फर्टिलाइजर्स इंडस्ट्री, कागज, कैंची उद्योग, चमड़ा उद्योग, आसव एवं रसायन, बैंडबाजा, वाद्ययंत्र उद्योग, सराफा कारोबार, वाहन रिपेयरिंग एवं मोती उद्योग।

2.06 लाख करोड़ की जीडीपी होगी मेरठ की वर्ष 2026-27 में

63 वां सबसे तेजी से बढ़ता शहर है दुनिया में मेरठ

14 वें नंबर पर है मेरठ देश में तेजी से विकसित शहरों में

60 हजार से अधिक औद्योगिक इकाइयां कार्यरत हैं मेरठ में

20 लाख से अधिक घरेलू-विदेशी पर्यटक पहुंचे थे वर्ष 2022 में

2024 की उपलब्धियां

- रैपिड का साहिबाबाद से मेरठ दक्षिण तक संचालन शुरू
- मेरठ करनाल हाईवे शुरू
- गंगा एक्सप्रेस वे प्रगति पर
- चार लेन मेरठ नजिबाबाद हाईवे
- खेल विवि में कुलपति की नियुक्ति
- मल्टीलेवल पार्किंग निर्माण शुरू
- तीन नए निजी विश्वविद्यालय बने
- हैकेथॉन में 350 करोड़ के प्रोजेक्ट को मंजूरी
- वंदेभारत ट्रेन मिली

0.51 लाख करोड़ रुपये की जीडीपी थी मेरठ की वर्ष 2020-21 में

उद्योगों में कहां है अपना मेरठ

- कैंची में दुनिया में पहचान।
- स्पोर्ट्स नगरी से दुनिया के सौ देशों तक खेल सामान निर्यात
- मेरठ की स्पोर्ट्स गुड्स इंडस्ट्री जालंधर को पछाड़ने की ओर अग्रसर
- मेरठ की रेवडी गज्जक की दुनिया तक पहुंची मिठास
- मेरठ के बैंडबाजे की धुन पर धड़कता है देश का दिल
- वेस्ट यूपी का सबसे बड़ा दवा बाजार मेरठ के खैरनगर में
- 20 हजार करोड़ रुपये प्रदेश सरकार के खजाने में देता है अपना मेरठ
- एशिया की प्रमुख सर्राफा मंडी भी मेरठ में, करोड़ों का रोज कारोबार